PUBLICATION NAME :	**Readers Messenger**
EDITION :	**Lucknow**
DATE :	**11/10/2022**
PAGE :	**3**

ईडीआईआई ने एमएसएमई और उद्यमिता संबंधी परियोजनाओं पर की बातचीत

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

लखनऊ। माननीय श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री (एमएसएमई), सरकार। भारत सरकार ने उद्यमिता और एमएसएमई संबंधित परियोजनाओं पर एक संवाद सत्र के लिए संस्थान का दौरा किया। माननीय मंत्री ने विभिन्न एमएसएमई और उद्यमिता संबंधी परियोजनाओं पर उद्योग के अधिकारियों, शिक्षाविदों और ईडीआईआई के अधिकारियों के साथ बातचीत की, और अच्छी तरह से क्यूरेटेड हस्तक्षेपों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों, क्षेत्रों और समूहों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ईडीआईआई के संकाय सदस्यों की टीम को बधाई दी। मंत्री ने कहा कि कैसे हस्तक्षेपों से उद्यमों की स्थापना हुई और कैसे नए जमीनी स्तर के उद्यमियों को नए तरीकों और साधनों के माध्यम से बाजारों, नए ग्राहकों से जुड़ने में मदद की जा रही है। मंत्री ने कहा, ÷मुझे लगता है कि मैं यह मानने और घोषणा करने में सही होगा कि एमएसएमई क्षेत्र में विकास गहरा है, और पूरे देश में कई तरह से खुद को प्रकट कर रहा है। सरकार एमएसएमई क्षेत्र को पंख देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, खासकर कोविड के बाद जब यह क्षेत्र काफी प्रभावित हुआ था। एमएसएमई पर्यावरण पहले से कहीं अधिक उत्साहित होने के लिए नवीनीकृत और पुनर्जीवित हो रहा है।÷ माननीय मंत्री ने यह सुनिश्चित करने के लिए ईडीआईआई की सराहना की कि भारतीय एमएसएमई उद्योग कच्चे माल की खरीद से लेकर प्रतिस्पर्धा से निपटने के लिए उत्पादों की बिक्री के लिए नए रास्ते तलाशने के लिए नवाचारों को पेश करने से लेकर कई नए दृष्टिकोण और तकनीकों को अपनाता है। ईडीआईआई जिन कुछ योजनाओं में काम कर रहा है, उन पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा, ÷संस्थान ने पिछले 40 वर्षों से एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ाने के मिशन के साथ काम किया है। संभावित और मौजूदा उद्यमियों और देश भर के कारीगरों और औद्योगिक समूहों में ईडीआईआई का काम परिणाम आधारित रहा है। यह मंत्रालय की उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) योजना के तहत युवाओं और एमएसएमई उद्यमियों को संवेदनशील बनाने और क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एमएसएमई समूहों की संरचना के अलावा, ईडीआईआई ने अनुसंधान विकास और नवाचार की संस्कृति को पोषित करने के लिए एक सहायक संस्थागत तंत्र भी सुनिश्चित किया है।